

अपनी भात

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : 487 वर्ष 39

राँची, जनवरी, 2015

गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

सीसीएल मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में 66 वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 26 जनवरी, 2015 के पावन अवसर पर मुख्यालय के महात्मा गांधी क्रीड़ागण, गांधीनगर में अध्यक्ष—सह—प्रबंध निदेशक श्री गोपाल सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया तथा सीसीएल सुरक्षा कर्मियों, सी आई एस सफ के जवानों, आर्मी बैन्ड के जवानों, गांधीनगर एवं ज्ञानोदय स्कूल के छात्र—छात्राओं के मिली—जुली परेड का निरीक्षण किया एवं राष्ट्रीय झंडे को सलामी दी। समारोह में सीएमडी की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला सिंह, निदेशक (वित्त) श्री डी के घोष, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती आर. घोष, श्री अरबिन्द प्रसाद, मुख्य सतर्कता पदाधिकारी उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुजाता प्रसाद, डी आइ जी, सी आई एस एफ श्री शिखर सहाय, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक / महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, श्रमिक यूनियन के प्रतिनिधिगण, पत्रकार बंधु एवं सीसीएल कर्मी सपरिवार तथा आम लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अपने संबोधन में सीएमडी श्री सिंह ने उपस्थित सभी लोगों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कामना की, कि वर्ष 2015 पूरे राष्ट्र के लिए एक प्रगतिशील, सकारात्मक एवं सफल वर्ष साबित हो, जिसमें हम नई ऊंचाईयां प्राप्त करें, नये आयाम सुजित करें ताकि हर देशवासी के चेहरे पर मुस्कान सदैव बनी रहे।

श्री सिंह ने बताया कि कोयला उत्पादन में कम्पनी ने 13 प्रतिशत ग्रोथ हासिल की है जबकि प्रेषण में 5 प्रतिशत ग्रोथ है। ओवर बर्डेन निकासी में अभी तक 64 प्रतिशत की बढ़ोतारी हुई है जो पूरे कोल इंडिया में किसी कम्पनी ने आज तक प्राप्त नहीं किया है।

श्री सिंह ने सीसीएल कर्मियों को प्रेरित करते हुए कहा



सीएमडी श्री गोपाल सिंह राष्ट्रध्वज फहराते हुए

कि आप सभी कर्मी प्रतिदिन 08 घंटे कार्य अवश्य करें ताकि कम्पनी के साथ—साथ ज्ञारखंड राज्य आगे बढ़े, हमारा देश विश्व का सबसे शक्तिशाली देश बने, जिससे हमारे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सके।



गणतंत्र दिवस के अवसर पर सीएमडी श्री गोपाल सिंह एवं अन्य गणमान्य आकाश में गुब्बारे उड़ाते हुए

अध्यक्ष—सह—प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने गांधीनगर केन्द्रीय अस्पताल में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया। श्रीमती प्रमिला सिंह ने श्रीमती आर. घोष, डा. निर्मला सिंह एवं अन्य चिकित्सकों के साथ मिलकर मरीजों के बीच मिठाई एवं फल का वितरण किया। श्रीमती प्रमिला सिंह ने मौके पर गांधीनगर अस्पताल में नये लिफ्ट का उद्घाटन भी किया।

निदेशक (वित्त) श्री डी के घोष ने मुख्यालय, दरभंगा हाउस में राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा उपस्थित श्रम संघ के नेताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

कठिन समय में समझदार व्यक्ति रास्ता खोजता है और कायर ढूँढ़ता है बहाना। — प्रेमचन्द

कोयला सचिव का सीसीएल दौरा



कोयला सचिव श्री अनिल स्वरूप समाधान केन्द्र ऑनलाइन पोर्टल का उद्घाटन करते हुए लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन कर डी ए वी गांधीनगर में 11 वीं कक्ष में नामांकन कराया गया है जहां उनके रहने, खाने—पीने की व्यवस्था है एवं देश के ख्यातिप्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेज में नामांकन हो सके इसके लिए कोचिंग की निःशुल्क व्यवस्था भी की गई है। वर्तमान में 22 बच्चे इस स्कूल के तहत अध्ययनरत हैं।

अवसर विशेष पर सीएमडी श्री गोपाल सिंह, निदेशक (वित्त) श्री डी के घोष, महाप्रबंधक (आई आर) श्री आर एस महापात्रों, डा. नूनत सिंह, डा. आर आर सिंह, डा. आर आर सिन्हा अन्य चिकित्सक सहित पारा मेडिकल कर्मी, एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

सीसीएल और नेशनल बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन (एन.बी.सी.सी.) भारत सरकार के बीच मुख्यालय में निदेशक (वित्त) श्री डी. के घोष की उपस्थिति में एन.बी.सी.सी. के कार्यकारी निदेशक श्री टी. एन. के. सिंह तथा सी.सी.एल. के श्री एस. के. घोष, महाप्रबंधक (सिविल) के बीच सहमति ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर हुआ। जिसके तहत 12895 शौचालयों के निर्माण, मरम्मती एवं रख—रखाव चार राज्यों (झारखण्ड, छत्तीसगढ़, उडीसा एवं उत्तर प्रदेश) में नेशनल बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन द्वारा किया जायेगा। कुल 6219 नये शौचालय बनेंगे और 6676 की मरम्मती की जायेगी। 12895 शौचालयों में से 7262 विभिन्न स्कूलों में बनाये जायेंगे। इन सभी शौचालयों का निर्माण आगामी 31 जुलाई, 2015 तक करना है।

इस अवसर पर निदेशक (वित्त) श्री घोष ने कहा कि दोनों संस्थानों के कर्मियों को आपसी सहयोग और तालमेल के साथ इस महत्वपूर्ण कार्य को समय पर करना है। एन.बी.सी.सी. के कार्यकारी निदेशक श्री टी.एन.के. सिंह ने कहा कि इस कार्य को समय पर पूरा करने के लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं।

हमें मानवता को उन नैतिक जड़ों तक वापस ले जाना चाहिए जहाँ से अनुशासन व स्वतंत्रता का उद्गम हो —डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन